

प्रेषक,

डी०एस० गर्बाल,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

प्रमुख अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष,
लोक निर्माण विभाग,
देहरादून।

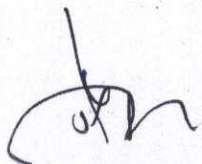
शहरी विकास अनुभाग-3

विषय- अर्द्ध कुम्भ मेला 2016 के अन्तर्गत जनपद हरिद्वार में हिल बाईपास मार्ग का खडखडी से भोपतवाला चौक तक आर०ओ०बी० सहित विस्तार कार्य का पुनरीक्षित के सम्बन्ध में।

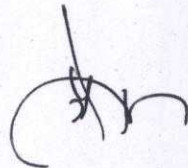
महोदय,

कृपया उपरोक्त विषयक मेलाधिकारी, हरिद्वार के पत्र संख्या-144/कु०मे०/लो०नि०वि०, दिनांक 20-10-2014 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि शासनादेश दिनांक-23-08-2008 के प्रश्नगत कार्य की लागत 1816.34 लाख की प्रशासकीय स्वीकृति के साथ 1.00 लाख की धनराशि की स्वीकृति प्रदान की गयी है। जिसके सापेक्ष शासनादेश दिनांक-07-07-2009 द्वारा 50.00 लाख तथा शासनादेश दिनांक-28-04-2011 द्वारा 50.00 लाख तथा 1265.34 लाख की धनराशि पी०एल०ए० में से अर्थात् कुल 1816.34 लाख की धनराशि अवमुक्त की गयी है तथा वर्तमान में अर्द्ध कुम्भ मेला 2016 की तैयारी हेतु जनपद हरिद्वार के हिल बाईपास मार्ग का खडखडी से भोपतवाला चौक तक आर०ओ०बी० सहित विस्तार कार्य हेतु उपलब्ध कराये गये पुनरीक्षित आगणन रु० 5172.75 लाख के आगणन के सापेक्ष टी०ए०सी० द्वारा औचित्यपूर्ण पायी गयी धनराशि रु० 3058.58 लाख सिविल कार्य तथा रु० 2020.16 लाख के कार्य "उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008" के अनुसार कराये जाने पर स्वीकृति प्रदान की जाती है। इस प्रकार प्रश्नगत कार्य हेतु कुल धनराशि रु० 5078.74 (रु० पचास करोड़ अठठतर लाख चोहत्तर हजार मात्र) के साथ कुम्भ मेला 2010 के दौरान रु० 1816.34 लाख की धनराशि समायोजित करते हुये अवशेष धनराशि रु० 3262.40 लाख में से धनराशि रु० 1200 लाख (रु० बारह करोड़ मात्र) हरिद्वार विकास प्राधिकरण के पी०एल०ए० में उपलब्ध गत महाकुम्भ मेला, 2010 की धनराशि में से आहरित करते हुए व्यय किए जाने की भी सहर्ष स्वीकृति श्री राज्यपाल महोदय निम्नलिखित प्रतिबन्धों के अधीन प्रदान करते हैं:-

- (i) कार्य करने से पूर्व मदवार दर विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों के आधार पर तथा जो दरें शिड्यूल ऑफ रेटस में स्वीकृत नहीं हैं अथवा बाजार भाव से ली गई हों, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता/सक्षम अधिकारी से अनुमोदित करना आवश्यक होगा।



- (ii) कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र पर सक्षम अधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी आवश्यक होगी।
 - (iii) कार्य पर उतना ही व्यय किया जाये जितनी धनराशि की स्वीकृति गयी है। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
 - (iv) कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुये एवं लो0नि0वि0 द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुये निर्माण कार्य को सम्पादित कराना सुनिश्चित किया जाएगा।
 - (v) निर्माण सामग्री को उपयोग में लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला से अवश्य करा लिया जाय तथा उपयुक्त सामग्री ही प्रयोग में लायी जाय।
 - (vi) आगणन में प्राविधानित डिजायन एवं मात्राओं हेतु सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता एवं अधीक्षण अभियन्ता पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
 - (vii) मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-2047/XIV-219(2006) दिनांक 30.05.2006 द्वारा निर्गत आदेशों का कड़ाई से पालन किया जाएगा।
 - (viii) आगणन गठित करते समय तथा कार्य प्रारम्भ कराने से पूर्व उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। साथ ही यह भी सुनिश्चित कर लिया जाय कि वित्त विभाग द्वारा निर्धारित प्रारूप पर कार्यदायी संस्था से एम0ओ0यू0 कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व करा लिया गया है। स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यय व कार्य निश्चित समयावधि में पूर्ण किया जाय।
 - (ix) निर्माण कार्य का पुनरीक्षण नहीं किया जाएगा तथा कार्य की थर्ड पार्टी क्वालिटी चैकिंग कराई जाएगी।
 - (x) आगणन में प्राविधानित डिजाइन एवं मात्राओं हेतु संबंधित कार्यदायी संस्था एवं मेलाधिकारी पूर्णरूप से उत्तरदायी होंगे।
 - (xi) अस्वीकृत आगणन के प्राविधानों एवं तकनीकी स्वीकृति के प्राविधानों में परिवर्तन (केवल अपरिहार्य स्थिति में ही) करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की सहमति अनिवार्य रूप से प्राप्त की जाएगी। साथ ही यह परिवर्तन स्वीकृत धनराशि की सीमान्तर्गत ही किया जाएगा।
 - (xii) प्रश्नगत कार्य का गहन निरीक्षण एवं पर्यवेक्षण मेलाधिकारी, हरिद्वार द्वारा किया जाएगा।
- 2- उक्त स्वीकृत धनराशि का व्यय शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों, वित्तीय हस्त पुस्तिका व बजट मैनुअल के अनुसार किया जाय।
 - 3- टी0ए0सी0 द्वारा संस्तुत आगणन की प्रति आपको इस आशय से प्रेषित की जा रही है कि कृपया टी0ए0सी0 द्वारा जिन-जिन निर्माण कार्यों में परीक्षणोपरान्त धनराशि इंगित की गयी है, उसके अनुरूप निर्माण कार्य कराया जाना सुनिश्चित किया जाय।
 - 4- इस सम्बन्ध में होने वाले व्यय हेतु धनराशि हरिद्वार विकास प्राधिकरण के पी0एल0ए0 में उपलब्ध गत महाकुम्भ मेला, 2010 की धनराशि में से आहरित की जाएगी।



5- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या- 709 /XXVII(2)/15, दिनांक 02 फरवरी, 2015 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।
संलग्न-यथोपरि।

भवदीय,

(डी0एस0 गब्याल)
सचिव।

संख्या- 3/11 (1)/IV-3/2015-4(11)/2014, तददिनांक:

- प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-
1. महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी), उत्तराखण्ड, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, माजरा, देहरादून।
 2. महालेखाकार (आडिट), उत्तराखण्ड, वैभव पैलेस, सी0-1/105, इन्दरा नगर, देहरादून।
 3. सचिव, लोक निर्माण विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
 4. मेलाधिकारी, हरिद्वार।
 5. उपाध्यक्ष, हरिद्वार विकास प्राधिकरण, हरिद्वार।
 6. मुख्य अभियन्ता/नोडल अधिकारी, लोक निर्माण विभाग देहरादून।
 7. निदेशक, एन0आई0सी0 सचिवालय परिसर, देहरादून।
 8. अधीक्षण अभियन्ता, लोक निर्माण विभाग, हरिद्वार।
 9. अधिशासी अभियन्ता, लोक निर्माण विभाग हरिद्वार।
 10. वरिष्ठ कोषाधिकारी, हरिद्वार।
 11. वित्त अनु0-2
 12. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(ओमकार सिंह)
उप सचिव।